बेटियाँ

ओस की बूंद सी होती है बेटियाँ, पापा की प्यारी व दादा की दुलारी होती है बेटियाँ,
माँ-बाप के दर्द में हमदर्द होती है बेटियाँ, रोशन करेगा बेटा तो बस एक ही कुल को,
दो-दो कुलो की लाज होती है बेटियाँ, हीरा अगर है बेटा तो सच्चा मोती है बेटियाँ,
कांटों की राह पर चलती है बेटियाँ, औरों की राह में फूल बनती है बेटियाँ,
कहने को पराई अमानत है बेटियाँ, पर बेटों से भी बढ़कर अपनी होती है बेटियाँ,
बेटा है आँख तो पलक है बेटियाँ, जीवन का सारांश है बेटियाँ,
बेटी धन पराया होता, यह मैं सुनता आया, दर्द विदाई का क्या, आज समझ में आया,
गम और खुशी का रिश्ता कैसा यह अजीब है भाई, मेरी परछाई मुझसे ले रही है विदाई . . . . .
आप सभी की लाडली ''धारणा'' को आशीर्वाद देने जरूर पधारें . . . . .